श्याम दरबार | Rajendra Agrawal Dei

सूनी सी ज़िन्दगी में आया बहार बनके
रोया कहीं सुदामा आया तू यार बनके
जिसपे तेरी रेहमत उसका जग सारा है
मिलता नसीबो से दर ये तुम्हारा है
मिलती है हर खुशियां जिसे तेरा सहारा है

दुनिया से हार करके आया तेरी शरण में
जैसा भी हूँ मैं बाबा रख ले तेरी शरण मैं
श्याम तेरी चौखट घर ये हमारा है
मिलता नसीबो से दर ये तुम्हारा है
मिलती है हर खुशियां जिसे तेरा सहारा है

समझा जिसे भी अपना उसने ही छल किया है
बदहाल बेबसी में तूने ही बल दिया है
राजू कहे बाबा तू सबसे ही न्यारा है
मिलता नसीबो से दर ये तुम्हारा है
मिलती है हर खुशियां जिसे तेरा सहारा है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-rajendra-agrawal-dei/